

10/11/25

पजावली पैस डरी। वाही व उन्नी
कीर के कोरी उपस्थित नही
आप। आवाज लिखाई गयी
छा-बार आवाज लिखाई
गयी। कोरी उपस्थित नही आप
आवाज वाड वाही बडक एकी
बडक पैसी स्वामीन लिखावा
हे। पजावली नम्र के मर
बेकर धारविल एकर ही।

